

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2009

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

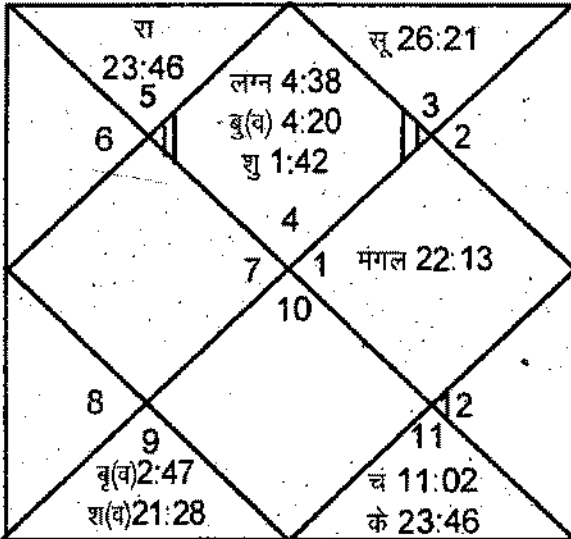
- निम्नलिखित योगों को अल्पायु, मध्यायु एवं पूर्णायु के वर्ग में क्रमबद्ध करें।
 (अ) लग्नेश व अष्टमेश में बली ग्रह फणफर भाव में हो।
 (आ) द्वितीय और द्वादश भाव पाप युक्त हो, शुभ ग्रहों से दृष्ट न हो एवं लग्नेश व अष्टमेश निर्बली हो।
 (इ) लग्नेश एवं अष्टमेश अगर अष्टम भाव में या एकादश भाव में स्थित हो।
 (ई) केन्द्र या त्रिकोण में शुभ ग्रह, बली शनि छठे में एवं पाप ग्रह अष्टम में हो।
 (उ) लग्नेश केन्द्र में, छठे-द्वादश भावों में पाप ग्रह और अष्टमेश सूर्य के मित्र ग्रह हो।
 (ऊ) अष्टम में पापग्रह को और दशमेश उच्च का हो।
 (ए) लग्नेश और अष्टमेश अगर द्वादश भाव में या छठे भाव में हो।
 (ऐ) अष्टम स्थित पापग्रह एक अन्य पापग्रह से दृष्ट हो।
 (ओ) लग्न में पाप ग्रह हो एवं बुध द्वादश भाव में हो।
 (औ) गुरु व शुक्र केन्द्र में हो।

- निम्नांकित जातक की पिण्डायु की गणना करें।

जन्म स्थान : शाहजहापुर, जन्म तिथि : 12.7.60

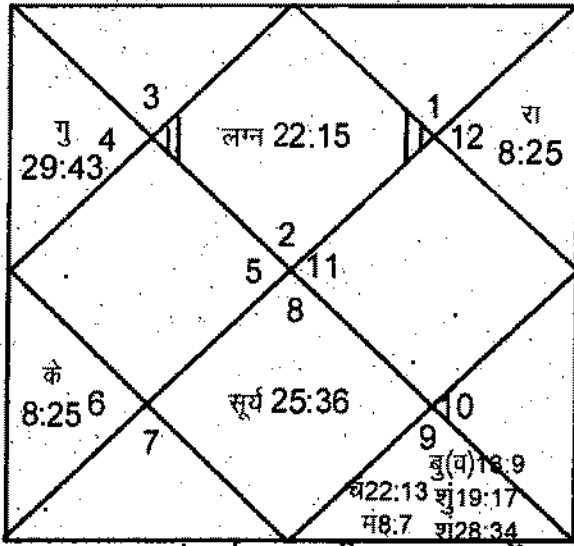
जन्म समय : सुबह 6 बजकर 5 मिनट

राहु की भोग्य दशा : 12 व 1 मा 5 दि



	मंगल 22:13		सू 26:21
च 11:02 के 23:46			लग्न 4:38 बु(व) 4:20 शु 1:42
			रा 23:46
बु(व) 2:47 श(व) 21:28			

- किन्हीं तीन का उदाहरण सहित समझाएं।
 (अ) खर ग्रह (ब) अस्तगत हरण
 (स) मेष, तुला लग्नों के मारक ग्रह (द) बालरिष्ट
- निम्न कुण्डली का अध्ययन करके, विवेचना करे कि यदि आप इस जातक को पूर्णायु के वर्ग में ला सकें।
 जन्म तिथि : 11.12.31, शुक्र की भोग्य दशा : 6 व 8 मा 3 दि



रा 8:25		लग्न 22:15	
			गु 29:43
च 22:13 म 8:7 बु(व) 13:9 श 19:17 श 28:34	सूर्य 25:36		के 8:25

5. "अंशायुदय" की व्याख्या करें तथा यह भी बताएं कब इसको लागू कर सकते हैं?

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

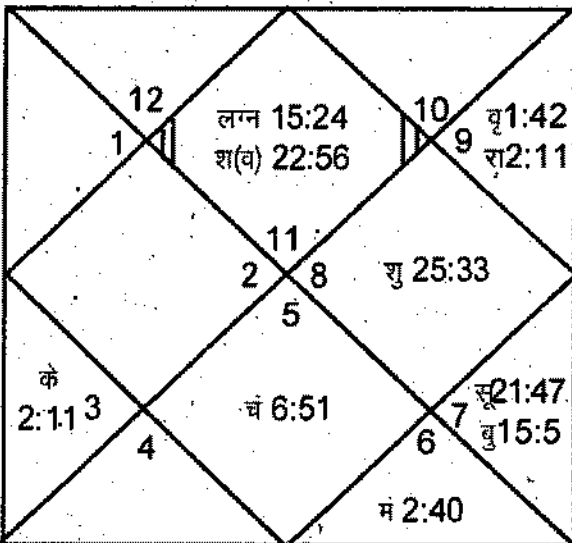
6. निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य?

- (अ) मंगल से मधुमेह रोग होगा।
- (आ) मिर्गी रोग बुध, चन्द्रमा एवं मंगल से होता है।
- (इ) चन्द्रमा से खून का दबाव हो सकता है।
- (ई) लग्न में अस्तगत मंगल अंधापन देगा।
- (उ) बाईसवें द्रष्टाण शुभ है।
- (ऊ) स्वाति नक्षत्र जीभ को दर्शाता है।
- (ए) शुक्र से कैंसर की बीमारी होती है।
- (ऐ) अगर चन्द्रमा व सूर्य क्रमशः बारहवें और द्वितीय भाव में शनि या मंगल से दृष्ट या युक्त हो तो आंखों में विकार होगा।
- (ओ) यदि शुक्र छठे या अष्टम भाव में हो गुह्य स्थान में रोग होना संभव है।
- (औ) अगर अष्टम भाव पाप कर्तरी में हो तो आंखों का विकार होगा।

7. (अ) 2, 5, 8, 11 भाव जन्मलग्न में किन किन अंगों को दर्शाते हैं?

(ब) मंगल, शुक्र एवं शनि ग्रह किन किन रोगों को उत्पन्न करेगा?

8. निम्न जातक को मंगल-शुक्र-शनि की दशा में जनवरी 1982 में हृदय-शल्य चिकित्सा हुई तथा शुक्र-शनि-शनि की दशा जुलाई 1953 में दुर्घटना ग्रस्त हुए। इन घटनाओं का ज्योतिषीय कारण बताएँ। जन्म तिथि : 7.11.1936, केतु की भोग्य दशा 3व4मा26दि



			के 2:11
लग्न 15:24 श(व) 22:56			
			च 6:51
बु 1:42 रा 2:11	शु 25:33	सूर्य 21:47 बु 15:5	म 2:40

9. किन्हीं चार के पांच ज्योतिषीय योग लिखें। (अ) मिर्गी (आ) बवासीर

(इ) गठिया (ई) मधुमेह (ठ) रक्तचाप

10. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें :-

(अ) चिकित्सा-ज्योतिष की महत्त्व (आ) रोगोत्पत्ती का समय

(इ) अच्छे स्वास्थ्य के योग